

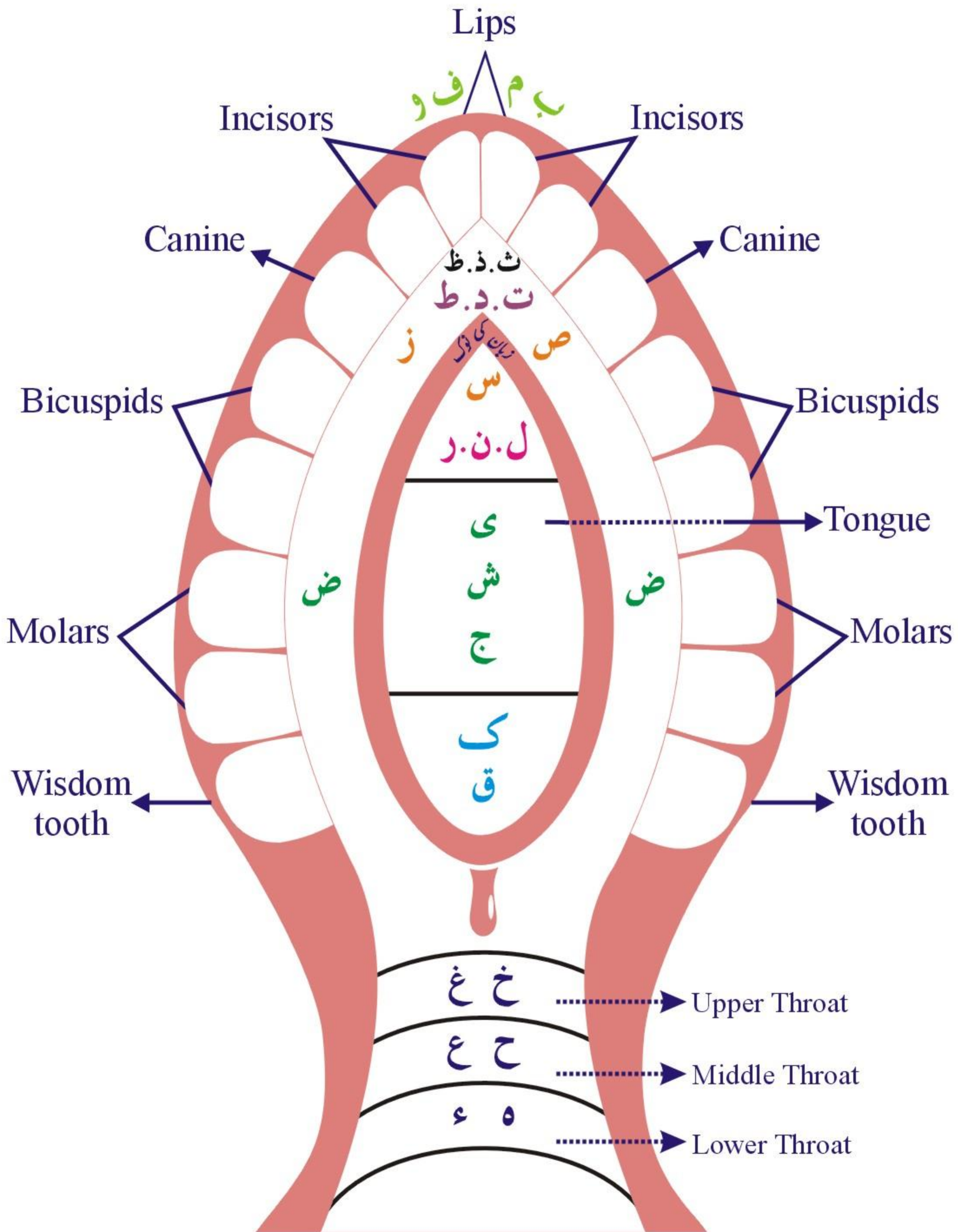


رَحْمَانِي قَاعِدَةٌ

All Rights Reserved

| | | |
|--|---|-------|
| The hollow portion of the Mouth | : | ا.ء.ه |
| Middle part of the throat | : | ع.ح |
| Upper part of the throat | : | غ.خ |
| Back of Tongue & touches soft palette near uvula : | | ق |
| Tongue touching area where hard and soft palette meet : | | ک |
| Tongue touching hard palette near end of dome : | | ج.ش.ی |
| Side edge of tongue when touching upper molars: | | ض |
| Tongue near tip touching gums of upper incisors : | | ل.ن.ر |
| Tip of Tongue touching upper incisors | : | ت.د.ط |
| Tip of Tongue touching edge of upper incisors : | | ث.ذ.ظ |
| Tip of Tongue touching upper incisors | : | ز.س.ص |
| Edges of the upper front two teeth touches the inner side of the lower lip : | | ف |
| Pronounced by the inner wet part of the lips | : | ب |
| Pronounced by the dry part of two lips | : | م |
| Circling the two lips without meeting completely | : | و |





بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ هـ

| | | | |
|---|---|----|---|
| ا | ب | ت | ث |
| ج | ح | خ | د |
| ذ | ر | ز | س |
| ش | ص | ض | ط |
| ظ | ع | غ | ف |
| ق | ك | ل | م |
| ن | و | هـ | ی |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-----|----|----|----|----|----|
| ح | ص | ط | ث | ظ | ت |
| د | ض | ظ | ز | ذ | ه |
| ف | ب | م | م | ك | ق |
| ه | ه | م | و | ن | ل |
| ل | ا | ك | م | ز | ر |
| كن | كث | كت | كب | لب | لا |
| كفا | قو | كج | كا | كط | كف |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| شا | ثا | يا | تا | نا | با |
| صا | غا | كا | سا | قا | فا |
| ما | ها | حا | خا | جا | ضا |
| شل | سل | ظن | طن | ظا | طا |
| بلب | كل | قل | فل | ضل | صل |
| خد | جد | ية | تة | نة | بة |
| قض | فص | نص | ما | يف | عد |
| بس | من | نقض | صب | فصل | نصب |
| عقل | عسق | قتل | مثل | نفس | يس |
| جنت | لست | حسن | ملك | كتب | كنت |

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | | | |
|-----|-----|-----|-----|-----|-----|
| يهب | بها | حفظ | بعد | عبد | بحت |
| بد | يد | هد | فيه | منه | ضا |
| تى | نى | بى | بثن | بين | بتن |
| برم | سئل | قسم | لقد | شمس | يى |
| قسط | عجب | صبر | علم | قلم | بسم |
| خ | تمت | صفت | شكر | كيف | بعض |
| ق | غ | ظ | ط | ض | ص |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|------|------|------|--------|--------|--------|
| اَ | اِ | اُ | أَ | أِ | أُ |
| شَ | شِ | شُ | شَأَ | شَأِ | شَأُ |
| نَ | نِ | نُ | نَأَ | نَأِ | نَأُ |
| رَ | رِ | رُ | رَأَ | رَأِ | رَأُ |
| زَ | زِ | زُ | زَأَ | زَأِ | زَأُ |
| شَءَ | شَءِ | شَءُ | شَأْءَ | شَأْءِ | شَأْءُ |
| رَءَ | رَءِ | رَءُ | رَأْءَ | رَأْءِ | رَأْءُ |
| زَءَ | زَءِ | زَءُ | زَأْءَ | زَأْءِ | زَأْءُ |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| س | ش | ص | ض | ظ | ق |
| ف | ق | ك | ق | ك | ك |
| ب | ب | ت | ث | ج | ح |
| ن | ن | ن | ن | و | و |
| ه | ه | ه | ه | م | م |
| ی | ی | ی | ی | | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-----|-----|-----|------|------|------|
| كَا | طَا | طَا | ثَا | تَا | تَا |
| سُي | عِي | عِي | شِي | ثِي | ثِي |
| أَا | حَا | حَا | هِي | حِي | حِي |
| ذَا | ذَا | ذَا | هََا | هََا | هََا |
| ظَا | ظَا | ظَا | زَا | نَا | نَا |
| دَا | دَا | دَا | ضَا | ضَا | ضَا |
| كَا | كَا | كَا | قَا | قَا | قَا |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|------|------|------|------|------|------|
| بِ | سِ | مِ | مِ | مِ | مِ |
| لّٰ | لّٰ | لّٰ | لّٰ | لّٰ | لّٰ |
| رَ | رَ | رَ | رَ | رَ | رَ |
| حَ | حَ | حَ | حَ | حَ | حَ |
| مِ | مِ | مِ | مِ | مِ | مِ |
| رَ | رَ | رَ | رَ | رَ | رَ |
| حِ | حِ | حِ | حِ | حِ | حِ |
| یْمِ | یْمِ | یْمِ | یْمِ | یْمِ | یْمِ |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| ب | س | م | م | س | ب |
| ا | ا | ل | ع | س | ا |
| ن | ن | ل | ن | س | ن |
| ا | ا | ك | ق | ه | ه |
| ش | ش | ش | ن | ن | ا |
| ن | ن | و | و | ي | و |
| ن | ن | ت | ت | ر | م |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-----|----|-----|----|-----|-----|
| رَا | رِ | رَ | رِ | رَا | رَا |
| دَا | دِ | دَا | دِ | دَا | دَا |
| گَا | گِ | گَا | گِ | گَا | گَا |
| شَا | شِ | شَا | شِ | شَا | شَا |
| زَا | زِ | زَا | زِ | زَا | زَا |
| فَا | فِ | فَا | فِ | فَا | فَا |
| مَا | مِ | مَا | مِ | مَا | مَا |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ه

| | | | | | |
|----------|---------|---------|----------|----------|----------|
| خَلَقَ | رَزَقَ | ذَكَرَ | قَدَرَ | نَظَرَ | عَدَلَ |
| هُدًى | صَدَقَ | حَسَنَ | أَمَرَ | أَذِنَ | شَهِدَ |
| وَلَدَ | طَوَى | رَفَعَ | فَعَلَ | خَشِيَ | قَضَى |
| قَصَصَ | قَتَلَ | مَرَضَ | كُتِبَ | كُتِبَ | قَسَمَ |
| قَلَمَ | مَثَلَ | كَبَدَ | مَسَدَ | نُسِكَ | حَسَنَ |
| مَلَكَ | مَلَكَ | كُفُوا | أَحَدَ | صَمَدَ | رَصَدَ |
| عَدَدًا | أَمَدًا | رَشَدًا | أَحَدًا | لِبَدًا | أَبَدًا |
| عَجَبًا | رَهَبًا | رَهَقًا | رَغَبًا | عِنَبًا | أَسِفًا |
| قُرَى | جُدِرَ | لِغَدٍ | سَفَرَةَ | بَرَرَةَ | غَبَرَةَ |
| قَتَرَةً | كَذِبًا | شَطَطًا | طَبَقًا | طَبَقَ | عَلَقَ |
| قُرَى | نَصَبَ | عَمَلٌ | | | |

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | |
|-----|-----|-------|-------|-------|
| بَا | بُو | بِيَا | بِيَا | بِيَا |
| تَا | تُو | تِيَا | تِيَا | تِيَا |
| ثَا | ثُو | ثِيَا | ثِيَا | ثِيَا |
| دَا | دُو | دِيَا | دِيَا | دِيَا |
| ذَا | ذُو | ذِيَا | ذِيَا | ذِيَا |
| رَا | رُو | رِيَا | رِيَا | رِيَا |
| زَا | زُو | زِيَا | زِيَا | زِيَا |
| سَا | سُو | سِيَا | سِيَا | سِيَا |
| شَا | شُو | شِيَا | شِيَا | شِيَا |
| طَا | طُو | طِيَا | طِيَا | طِيَا |
| يَا | يُو | يِيَا | يِيَا | يِيَا |
| كَا | كُو | كِيَا | كِيَا | كِيَا |
| لَا | لُو | لِيَا | لِيَا | لِيَا |
| مَا | مُو | مِيَا | مِيَا | مِيَا |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | |
|-----|-------|------|---------|-----------|
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |
| بِ- | سْمِ- | لّٰ- | رَحْمٰ- | رَحِیْمِ- |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ه

| | | | | | |
|-----|-----|-------|-------|-------|-------|
| تَا | تُو | تَيَا | تَوُو | بَيَا | بَوُو |
| خَا | خُو | حَا | حُو | جَا | جُو |
| رَا | رُو | دَا | دُو | دَا | دُو |
| شَا | شُو | سَا | سُو | زَا | زُو |
| طَا | طُو | ضَا | ضُو | صَا | صُو |
| ظَا | ظُو | عَا | عُو | ظَا | ظُو |
| كَا | كُو | قَا | قُو | قَا | قُو |
| نَا | نُو | مَا | مُو | لَا | لُو |
| أَا | أُو | هَا | هُو | وَا | وُو |
| | | يَا | يُو | | |



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ه

| | | | | | |
|-----------|-------------|-----------|-----------|-------------|-----------|
| هَذَا | كُتِبَ | مَلِكٍ | ذَلِكَ | طَالِبٌ | عِلْمٌ |
| شَاهِدٌ | نُورِهِ | رَسُولِهِ | رُسُلِهِ | بِهِ | فِيهِ |
| قَالَ | قَوْلٌ | رَسُولٍ | كَرِيمٍ | بَشِيرًا | نَذِيرًا |
| قَمَرٌ | سِرَاجًا | مُنِيرًا | سَلَامٌ | حَافِظٌ | شَاهِدٌ |
| عَابِدٌ | مِهْدًا | مَفَازًا | رَسُولاَ | يُوسُفُ | يُوسُفُ |
| لُوطًا | مُوسَى | هَارُونَ | دَاوُدَ | سُلَيْمَانَ | نُوحًا |
| هَدَيْنَا | بَيْنَ | يَدَيْهِ | شَيْءٍ | عَلَيْهِ | إِلَيْهِ |
| حَيْثُ | كَيْفَ | لَيْسَ | لُوحٍ | خَوْفٍ | يَوْمِذٍ |
| مَالًا | قَوْمًا | لَشَيْءٍ | شَيْخًا | مَوْعِدُهُ | مَوْتٍ |
| يَوْمٌ | مَوْعِظَةٌ | قَعِيدٌ | رَقِيبٌ | غَاشِيَةٌ | رَاضِيَةٌ |
| جَارِيَةٌ | مَوْضُوعَةٌ | عَجِيبٌ | شَهِيدٌ | شُهُودٌ | وَدُودٌ |
| خَيْرًا | بَصِيرًا | غَفُورًا | رَحِيمًا | رَحِيمٌ | عَلِيمٌ |
| عَلِيمًا | قَدِيرًا | شَكُورًا | عَزِيزًا | نَصِيرًا | نَاصِرٌ |
| وَالِدٍ | وَكَيْلًا | خَلِيلًا | سَرَّاحًا | جَمِيلًا | عَيْنٌ |

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

| | | | | | |
|-------------|-------------|--------------|------------|------------|------------|
| كَلِمَتٍ | سَمَوَاتٍ | عَمَلًا | صَالِحًا | صَلَوَةً | زَكَاةً |
| صَادِقِينَ | صَالِحِينَ | حَفِظِينَ | شَاكِرِينَ | صَبِيرِينَ | خَلِيدِينَ |
| خَالِدُونَ | أَرَاءَيْتَ | أَفَرَأَيْتَ | قَالُوا | قَوْلًا | قَوْمًا |
| شَيْئًا | أَمِنُوا | أَمِنَ | أَوْى | مَتَاعًا | مُطَاعٍ |
| مَعَاشًا | طَعَامٍ | يَتِيمًا | يَسِيرًا | كَافُورًا | حَدِيدًا |
| سُرُورًا | نَاضِرَةٌ | نَاضِرَةٌ | حَفِيفًا | حَافِظًا | صَوَابًا |
| مَا بَأْسًا | مِيقَاتًا | بِأَيْتِنَا | رَاجِعُونَ | | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ه

| | | | | |
|-------|-------|-------|-------|-------|
| أُص | أُس | أُث | أُط | أُت |
| أُد | أُض | أُظ | أُز | أُذ |
| أُق | أُع | أُهُ | أُه | أُح |
| أُنْج | أُنْغ | أُنْج | أُنْب | أُنْك |
| أُنْش | أُنْ | أُنْز | أُنْو | أُنْئ |
| | | أُنْم | أُنْف | أُنْ |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | | | |
|---------------------|-----------------|--------------------------|-----------------------|---------------|--------------|
| اَنْتَ | هَادِي | يَهْدِي | يُعْنِي | تَجْرِي | اَنْعَمْتَ |
| عَلَيْهِمْ | عَلَى | عَلَيْنَا | لِلْهُدَى | قُرْآنُ | نُورُ |
| قَدْرٍ | فَجْرٍ | شَهْرٍ | عَشْرٍ | عَدَنِ | كَدْحًا |
| قَدْحًا | قَضْبًا | اَنْذَرْنَا | اَنْزَلْنَا | اَنْزَلْنَاهُ | اِقْرَأْ |
| شَانُ | كَاسًا | بَاسٍ | بِئْسَ | تَأْتُونَ | رُءْيَا |
| فَاصْبِرْ | صَبْرًا | اَجْرًا | قَرِيبًا | فَارْعَبْ | فَانْصَبْ |
| بِالْحُسْنٰى | يَنْصُرْكُمْ | اَنْفُسَكُمْ | اَنْجِيْنَكُمْ | وَاَنْتُمْ | عِنْدِ |
| مِنْ كِتٰبٍ | مِنْ دُوْنِكُمْ | اِنْ كُنْتُمْ صٰدِقِيْنَ | مَتَاعٌ قَلِيْلٌ | | |
| خَالِدًا فِيْهَا | مَنْ اَذِنَ | مِنْ خَيْرٍ | مِنْ عَلَقٍ | مِنْ هَادٍ | مِنْ اَجَلٍ |
| مُلَقًى حِسَابِيْهِ | شَيْءٌ عَظِيْمٌ | اَفْوٰجًا | مَحْفُوْظٍ | مَشْهُوْدًا | |
| مَحْمُوْدًا | تَفْضِيْلًا | حُسْنًا | وَفْدًا | زَجْرَةً | نُطْفَةً |
| تَذِكْرَةً | مُسْفِرَةً | مُؤْصَدَةً | مُدْهِنُوْنَ | تَنْظُرُوْنَ | تَشْرَبُوْنَ |
| تَعْلَمُوْنَ | تَعْمَلُوْنَ | تُقْلِحُوْنَ | اَزْوَاجًا | اَعْنَابًا | اَبْوَابًا |
| عُمِيَانًا | جَمْعًا | زُرْقًا | مِنْ اَهْلِ الْكِتٰبِ | فَتْحٌ | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

قَرِیْبُ مُؤْمِنِیْنَ مُؤْمِنُوْنَ یُؤْمِنُوْنَ حُشِرَتْ نُشِرَتْ

أَحْضَرَتْ طُمِسَتْ فُرِجَتْ نُسِفَتْ عَلَیْكُمْ اِلَیْكُمْ

عَلَيْهِمْ اِلَيْهِمْ يَيْنَكُمْ يَيْنَهُمْ مَنْ جَاءَ بِالْحَسَنَةِ

مَنْ جَاءَ بِالْهُدَى مَنْ عَمِلَ صَالِحًا فَلِنَفْسِهِ

أَعْطَيْنَاكَ الْكَوْثَرَ

وَوَجَدَكَ عَائِلًا فَأَغْنَى يُرْزَقُونَ فِيهَا بِغَيْرِ حِسَابٍ



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | | | |
|-----------------|--------------------|---------------------|-------------|--------------|--------------|
| أَح | أَط | أَث | أَمِي | أَش | أَس |
| أَاه | أَض | أُظ | أَز | أُن | أَه |
| أَم | أُو | أُفَا | أَب | أُأ | أُفَا |
| أَان | أُر | أُح | أُج | أُش | أُي |
| | | أُم | أُل | | |
| مِثَّة | مِنِي | مِنَا | مِنِي | مِنَا | مِنَا |
| نَزَل | إِيَّاكَ | حَتَّى | أَدْوَا | إِلَّا | وَلَمَّا |
| عَنِّي | رَبُّكُمْ | رَبَّنَا | رَبِّهِ | رَبِّي | رَبِّ |
| سَيَّارَةٌ | أُمَّةٌ | مِلَّةٌ | كُلُّ | إِلَى | أَحَبُّ |
| بِالْبَيِّنَاتِ | مِنَ الطَّيِّبَاتِ | أَيَّامٍ | تَوَكَّلْتُ | تَوَكَّلْتُ | وَتَوَكَّلْ |
| تَجَلَّى | مُذَكَّرٌ | وَرَبِّكَ فَكَبِّرْ | يَزْكِي | تَزْكِي | مُتَّكِبِينَ |
| وَالطُّورِ | كَأَنَّ | فَصَلِّ | تَصَدَّى | بِالتَّقْوَى | صَدَقَ |
| وَالزَّيْتُونِ | وَالتِّينِ | مُدَّثِرٌ | مُزْمَلٌ | وَالصُّحَى | وَالنَّجْمِ |
| سُعْرَتٌ | سُيْرَتٌ | كُورَتٌ | حُقَّتْ | قِيَمَةٌ | مُطَهَّرَةٌ |



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

أَحَطْتُ بَسَطْتُ وَدَّتْ طَائِفَةٌ وَقَالَتْ طَائِفَةٌ نَخَلَقُكُمْ

ءَأَعْجَمِيٌّ وَعَرَبِيٌّ^{صهيل} مَجْرَهَا^{الله} مَنْ رَاقٍ بَلْ رَانَ دُنِيًّا

بُنْيَانٌ صُنُونٌ قِنُونٌ مُسَمَّى فِي الْحَجِّ تَجَاجَا

وَهَاجَا تَوَابًا وَالنَّزَعَتِ وَالنَّشِطِ وَالسَّبْحِ

وَالسَّمَاءِ وَالطَّارِقِ وَالرَّآبِ

يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا إِذْ كُرُوا نِعْمَةَ اللَّهِ عَلَيْكُمْ

إِذَا السَّمَاءُ انشَقَّتْ وَمَنْ يَقْنُتْ



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | | |
|--|----------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------|---------------|
| مَنْ يَنْظُرُ | مَنْ يَقُولُ | كِتَابًا يَلْقَاهُ | رَجُلٌ يَسْعَى | مِنْ مِثْلِهِ |
| مِنْ مَاءٍ | بِرَحْمَةٍ مِنْهُ | طَاعَةٌ مَعْرُوفَةٌ | مِنْ وَّلِيِّ وَلَا نَصِيرِهِ | |
| مِنْ وَرَقِ الْجَنَّةِ | هُدًى وَذِكْرَى | مِنْ نَصِيرٍ | مِنْ نُطْفَةٍ | |
| حِطَّةٌ تَغْفِرْ لَكُمْ | مِنْ رَبِّكَ | مُصَدِّقًا لِمَا | مِنْ لَدُنْهُ | مِنْ بَعْدِ |
| مِنْ بَيْنِ الصُّلْبِ | حِلٌّ بِهَذَا | أَنْبِئُهُمْ بِأَسْمَاءِهِمْ | بَعْضُكُمْ بِبَعْضٍ | |
| اتَّبِعْتُمْ مِنْ كِتَابٍ | لَهُمْ مِّنَّا الْحُسْنَى | إِنَّ اللَّهَ مَعَ الصَّابِرِينَ | | |
| الرَّحْمٰنُ عَلَّمَ الْقُرْآنَ | مُحَمَّدٌ رَّسُولُ اللَّهِ | بِالْمُؤْمِنِينَ رِءُوفٌ رَّحِيمٌ | | |
| وَإِنَّكَ لَعَلَى خُلُقٍ عَظِيمٍ | قَدْ جَاءَكُمْ بَشِيرٌ وَنَذِيرٌ | | | |
| رَبَّنَا إِنَّا أَمَّا فَاغْفِرْ لَنَا ذُنُوبَنَا وَقِنَا عَذَابَ النَّارِ | | | | |
| وَاللَّهُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ | | | | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | | |
|-------------------|---------------------|------------------------------------|--------------------|---------------|
| اِنَّ اللّٰهَ | وَ اللّٰهُ | اللّٰهُ | فَاللّٰهُ | مِنَ اللّٰهِ |
| رَسُوْلُ اللّٰهِ | قَالُوْا اللّٰهُمَّ | بِسْمِ اللّٰهِ | لِلّٰهِ | بِاللّٰهِ |
| قُلِ اللّٰهُمَّ | مَا وَّلَّيْتَهُمْ | تَجَلَّی | وَلَا صَلَّی | وَاللَّیْلِ |
| صَلُوَّةً | اِلَّا الَّذِیْنَ | اِنَّ الَّذِیْنَ | اِنَّ اَرْتَبْتُمْ | |
| اَمْ اَرْتَابُوْا | رَبِّ اَرْجِعُوْنَ | رَبِّ اَرْحَمُهُمَا | اَرْجِعِیْ | |
| اَرْجِعُوْا | اَرْجِعْ | لِمَنْ اَرْتَضٰی | مَرْصَادٍ | فِی قِرْطَاسٍ |
| فِرْقَةٍ | كُلُّ فِرْقٍ | قُمْ فَاَنْذِرْ | فَاَصْبِرْ | اَنْظُرْ |
| اَلَمْ تَرَ | وَالْاَمْرُ | بِالنَّذْرِ | اَمْرٍ | اَجْرًا |
| قَالَ | كَانَ | اِنَّ شَانِئَكَ هُوَ الْاَبْتَرُ ۝ | | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | |
|-----------------|------------------|----------------------|----------------|
| جَاءَ | جِئْتُ | سَاءَ | مَاءٌ |
| نِسَاءٌ | عَطَاءٌ | عُثَاءٌ | شِفَاءٌ |
| مَا يَشَاءُ | أَوْلَيْكَ | وَالسَّمَاءِ | بِمَا أَنْزَلَ |
| قَالُوا أَمَّا | فِي أَنْفُسِكُمْ | يَبْنِي إِسْرَائِيلَ | هَؤُلَاءِ |
| أَلَسْنَا | وَالصَّيْفِ | يَتَسَاءَلُونَ | يَا رِضٌ |
| ضَالٌّ | ضَالًا | دَابَّةٌ | جَانٌّ |
| مُضَارٌّ | لضَالُّونَ | وَالضَّالِّينَ | أَتُحَاجُّونِي |
| أَلِذَّكَرَيْنِ | أَلْحَاقَةُ | مُدْهَامَّتِنِ | وَالصَّفَّتِ |
| وَحَاجَّةٌ | حَاجُّوكَ | وَحَاجَّةٌ | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | | |
|------------|---|---|---|---|
| ر | ق | ن | ظ | ی |
| س | ح | ر | م | م |
| ح | س | ط | م | م |
| كَهَيَّعَص | | | | |



بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ۝

| | | | |
|------------------|-----------------------|----------------------|------------------------------|
| أَفَإِنْ مَاتَ | لَا إِلَى اللَّهِ | أَنْ تَبُوءَ أ | مِنْ نَبَأٍ |
| وَلَا أَوْضَعُوا | إِنَّ تَمُودًا | أُمَّه لَتَتْلُوا | لَنْ نَدْعُوا |
| لِشَأْنٍ | لَكِنَّا هُوَ اللَّهُ | أَفَإِنْ مِتَّ | وَتَمُودًا لَا أَدْبَحَنَّهُ |
| تَمُودًا | لِيَرْبُؤَ فِي | لَا إِلَى الْجَحِيمِ | لِيَبْلُؤَ نَبْلُوا |
| تَمُودًا | لَا أَنْتُمْ | سَلْسِلًا | قَوَارِيرًا |
| مَلَائِكَةٍ | أَنَا | | |

ان چھ کلمات میں اس نشان (◌) والے الف کو وصل میں تو نہیں پڑھیں گے مگر وقف میں پڑھیں گے۔

| | | | | | |
|------------|-------------|-------------|----------------|-------------|-------|
| لَكِنَّا | الظُّنُونَا | الرَّسُولَا | السَّبِيلَا | قَوَارِيرَا | أَنَا |
| وَيَبْصُطُ | بَصْطَةً | أَمْ هُمْ | الْمُصْطِرُونَ | بِمُصْطِرٍ | |



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

| | | | |
|--|--|--|--|
| صَدِيقَيْنَ صَدِيقَيْنِ | وَكَيْلٌ وَكَيْلٍ | قَدِيرًا قَدِيرًا | قَدِيرٌ قَدِيرٌ |
| أَمْرٌ أَمْرٌ | خَاشِعَةٌ خَاشِعَةٌ | أَلْفَاظًا أَلْفَاظًا | قُوَّةٌ قُوَّةٌ |
| لَهُوَ لَهُوَ | فِيهِ فِيهِ | شَيْءٌ شَيْءٌ | شَهْرٌ شَهْرٌ |
| نَدِيمِينَ نَدِيمِينَ | بَرْقٌ بَرْقٌ | قَسِطٌ قَسِطٌ | لَهُ لَهُ |
| قَدِيرٌ الَّذِي قَدِيرٌ الَّذِي | شَيْبًا السَّمَاءِ شَيْبًا السَّمَاءِ | خَيْرًا الْوَصِيَّةِ خَيْرًا الْوَصِيَّةِ | فَخُورًا الَّذِينَ فَخُورًا الَّذِينَ |
| مُيِّنٌ أَقْتُلُوا مُيِّنٌ أَقْتُلُوا | مُنِيبٌ إِدْخُلُوهَا مُنِيبٌ إِدْخُلُوهَا | | |
| أَحَدٌ أَحَدٌ | يَشَاءُ يَشَاءُ | دُعَاءٌ دُعَاءٌ | قُلْ صَدَقَ اللَّهُ قُلْ صَدَقَ اللَّهُ |

إِنَّ اللَّهَ وَمَلَائِكَتَهُ يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيِّ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ
آمَنُوا صَلُّوا عَلَيْهِ وَسَلِّمُوا تَسْلِيمًا

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ه

سُورَةُ الْفَاتِحَةِ

أَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ ه

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ه

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ ه الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ه مَلِكِ يَوْمِ
الْدِّينِ ه إِيَّاكَ نَعْبُدُ وَإِيَّاكَ نَسْتَعِينُ ه اهْدِنَا الصِّرَاطَ
الْمُسْتَقِيمَ ه صِرَاطَ الَّذِينَ أَنْعَمْتَ عَلَيْهِمْ ه غَيْرِ الْمَغْضُوبِ
عَلَيْهِمْ وَلَا الضَّالِّينَ ه آمِينَ

سُورَةُ الْإِخْلَاصِ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ه

قُلْ هُوَ اللَّهُ أَحَدٌ ه اللَّهُ الصَّمَدُ ه لَمْ يَلِدْهُ وَلَمْ يُولَدْ ه
وَلَمْ يَكُنْ لَهُ كُفُوًا أَحَدٌ ه

▶ Introduction ◀

Reciting the Quran with Tajweed allows the reciters to emphasize the accent, phonetic, rhythm and tempo of Quranic recitation. We must be familiar with alphabets and basic rules of Tajweed. Quran alphabets are 29 and meaning of the word depends on the pronunciation and sound. If any person will recite the Holy Quran without rules of Tajweed, it is likely sometimes that meaning can change, for example: "O Beloved Prophet (ﷺ)! Say, Allah is One (ﷻ), and if any person will pray! Eat, Allah is One (ﷻ). Both are "Qaal", but meanings are different. In this way we can understand, how Tajweed is important in our recitation. Prophet (ﷺ) said: He is not from my Ummah (Nation) who does not recite the Holy Quran with Tajweed.

▶ Definition ◀

Literal Meaning:

The word Tajweed is derived from the arabic root "Jawwada", which means to make well or to improve, it means "making well".

Technical Meaning:

- Correct and good pronunciation in recitation.
- A mode of recitation of medium speech (Normal voice).

At the end, "Tajweed means to pronunciation every letter with all its participative qualities such as the correct prolongation, merging, conversion, distinctness and pauses.

▶ Instructions ◀

Student should be in the state of ablution (Wudu), and sit with great respect during recitation. To place a Quran Shareef on a stand and clean place. To begin with *Ta-awwuz* and *Yasmiyah*. Not to indulge in talking whilst reading the Quran. If speech is necessary to recite "Tawwuz" when restart recite. Letter should pronounce by their names, as written in small type in English at top of the actual letter. The pronunciation of articulations are very important for whole Quran, its a basic step, so student should pay full attention to understand the way of and difference between the words.

▶ Makhrij ◀

The sound of a letter is generated from is called *Makhrij*.

▶ Musta'aliya ◀

There are seven letters, which we called *Musta'aliya*, or *bold letters*, and these bold letters are [ءآأؤإئابة] there are special rule to read *Musta'aliya*. These are always read in heavy sound & are called them *Bold letters*.

▶ Pronunciation ◀

[ءآأؤإئابة] these letters have slightly difference in pronunciation and sound, if we will not pay attention of correct sound and pronunciation then meaning will completely change, for correct pronunciation, see the tongue visuals of these letters.

▶ Lip Letters ◀

Lip letters are only 4, and these lip letters are [لمنو], we use our lip only for these four letters, and we don't use our lip for rest of 25 letters.

▶ For Tutor ◀

Tutor must tell the student in detail about the sound, pronunciation and difference between the letters which have same sound with the help of tongue visuals and mouth visuals.

بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

| | | | |
|-----------|--------------|-------------|------------|
| SAA ث | TAA ت | BAA ب | ALIF ا |
| DAAL د | KHAA ح | HAA ح | JEEM ج |
| SEEN س | ZAA ز | RAA ر | sZAA ذ |
| TUAA ط | DUAAD ض | SUAAD ص | SHEEN ش |
| FAA ف | GHAIEEN غ | AAIEEN ع | ZUAA ظ |
| MEEM م | LAAM ل | KAF ك | QAAF ق |
| YAA ي | HAMZA ء | HAA ه | WA,OW و |
| | | | NOON ن |

